काया रूपी चुनड़ी में रंग चढ़ ग्यो मुरली वालों सांवरो

काया रूपी चुनड़ी में,
रंग चढ़ ग्यो।

दोहा – मुरली वाले सांवरा,
तेरी मुरली नेक बजाई,
इण मुरली में मारो मन बसो,
कान्हा एकर और बजाए।

काया रूपी चुनड़ी मे,
रंग चढ़ ग्यो,
मुरली वालों सांवरो,
मारे मन बसग्यो।bd।

काया रूपी चुनड़ी में,
खाटू में रंगाऊली,
ओढ के चुनड़ी मे,
श्याम आगे जाऊंला,
ओर रंग ओढू कोनी,
हियो नटग्यो,
मुरली वालों सांवरो,
मारे मन बसग्यो।bd।

बाजरे की रोटी साग,
फलया को बंनाऊला,
बैठ के आंगणिये मेरे,
श्याम ने जीमाऊला,
धाबलियो ओले,
खिचड़ो चट करग्यो,
मुरली वालों सांवरो,
मारे मन बसग्यो।bd।

चांदणी बारस की,
जोत जगाऊंली,
बैठ के आगणिये,
मेरे श्याम ने रिझाऊली,
घीरत बाती की,
ज्योत करली,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मुरली वालों सांवरो,
मारे मन बसग्यो।bd।

केशरियो निशान लेके,
खाटू मे आऊला,
तन मन धन मै,
सब ही लुटाऊला,
साचो तो सेठ धणी,
श्याम मिलग्यो,
मुरली वालों सांवरो,
मारे मन बसग्यो।bd।

रामदास जी बाबा,
आपरा पुजारी है,
बालाजी री भग्त मण्डली,
गावे महिमा थारी है,
श्यामजी रो नाम,
दिन रात रटल्यो,
मुरली वालों सांवरो,
मारे मन बसग्यो।bd।

काया रूपी चुनड़ी मे,
रंग चढ़ ग्यो,
मुरली वालों सांवरो,
मारे मन बसग्यो।bd।

प्रेषक – सुभाष सारस्वा काकड़ा
9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com